श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 17, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज रविवार, 23 अगस्त, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

LAC में बदलाव बर्दाश्त नहीं करेगा भारत, रक्षा मंत्री ने समीक्षा की

नई दिल्ली, एजेंसियां। पूर्वी लद्दाख पर चीन के आड़यल रुख को देखते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को सुरक्षा से जुड़े शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक कर हालात की समीक्षा की। बैठक में दोनों देशों की जारी बातचीत और चीन की सेना के पीछे जाने पर हो रही प्रगति पर विचार-विमर्श किया गया। साफ संदेश दिया गया कि भारत एलएसी में बदलाव के प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगा और कड़ा जवाब देगा। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, तीनों सेनाओं के प्रमुख जनरल बिपिन रावत, सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवाने, नौसेना प्रमुख एडमिरल कर्मबीर सिंह और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया ने हिस्सा लिया।

बैठक में मुख्य रूप से पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ बनी गतिरोध की स्थिति पर चर्चा की गई। चीन के रुख को देखते हुए भविष्य की रूपरेखा पर विचार किया गया। चीन से अभी तक हुई बातचीत और उसकी सेना के कदमों से यह निष्कर्ष निकलकर आया है कि पड़ोसी देश पूर्वी लद्दाख पर सामान्य स्थिति बहाल करने को लेकर गंभीर नहीं है।

वह अग्रिम मोर्चो पर अपने अवैध कब्जे को बरकरार रखने के जरिये समय को लंबा खींच रहा है और इस दौरान अपनी रक्षा तैयारियों को मजबूत कर रहा है। चीन की सेना ने कोरोना के गंभीर संक्रमण के दौर में मई के शुरूआती दौर में भारतीय जमीन पर कब्जा कर लिया था। शुरूआती बातचीत के बाद चीन जब पीछे हटने को तैयार नहीं हुआ तो दोनों देशों के सैनिकों के संघर्ष में 21 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे जबकि मुकाबले में 40 से ज्यादा चीनी सैनिक मारे गए थे। भारत का जोर है कि चीनी सेना पीछे हटे और घुसपैठ से पूर्व की अप्रैल वाली स्थिति कायम हो। लेकिन चीन टालमटोल की नीति अपनाकर समय बढ़ा रहा है। चीन के रुख को देखकर भारतीय सेनाएं अपनी तैयारियों को धार दे रही हैं। इस बार ठंड के बर्फबारी वाले मौसम में भी इलाका खाली न करने का सेना ने फैसला किया है। चीन के साथ बातचीत में भारतीय सेना ने साफ कर दिया है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) में बदलाव की चीनी मंशा उसे स्वीकार नहीं है। अगर चीन की सेना अपने कदम वापस नहीं खींचती है तो उसे दुष्परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा। सूत्रों के अनुसार भारतीय सेना के कड़े रुख को देखते हुए चीन वापसी का बहाना तलाश रहा है लेकिन उसे वह बहाना फिलहाल नहीं मिल रहा। इसके चलते दोनों देशों के बीच कई दौर की कूटनीतिक और सैन्य वार्ता ढाई महीना बीतने पर भी निर्णायक मुकाम पर नहीं पहुंची है। गुरुवार को भी दोनों देशों के अधिकारियों ने फिर से वार्ता की थी। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया था कि दोनों देश समस्या के त्वरित समाधान के इच्छुक हैं। वे ऐसा पूर्व के समझौतों और परंपराओं के आधार पर करना चाहते हैं।

पूर्वी लद्दाख स्थित चीन सीमा पर चल रहे तनाव के बीच नई दिल्ली में सेना के कमांडरों ने दो दिन तक चर्चा की। इसमें देश की पूरी उत्तरी सीमा के हालात पर विचार विमर्श किया गया। सेना ने बताया है कि इस दौरान देश की उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर सैन्य तैयारियों का जायजा लिया गया और चुनौतीपूर्ण स्थितियों का मुकाबला करने के लिए कदम उठाने पर चर्चा हुई। 20 और 21 अगस्त को हुई यह बैठक सैन्य कमांडरों के नियमित सम्मेलन से इतर थी। बैठक में कमांडरों ने एलएसी और अन्य सीमाओं पर हालात से सेना प्रमुख जनरल नरवाने को अवगत कराया। इसी बैठक के निष्कर्षों पर नई दिल्ली में शनिवार को रक्षा मंत्री की अध्यक्षता वाली बैठक में चर्चा हुई।

निर्धारित समय पर ही होंगी जेईई मेन और नीट परीक्षाएं, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, ऑनलाइन डेस्क। कोविड-19 महामारी के बीच इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई मेन 2020 और मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट 2020 के अगले माह सितंबर में आयोजन का विरोध कर रहे छात्रों और इन परीक्षाओं के स्थगित किये जाने की मीडिया खबरों में जताई जा रही संभावनाओं का खण्डन करते हुए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने साफ किया है कि परीक्षाओं का आयोजन निर्धारित तिथियों को ही किया जाएगा। एनटीए द्वारा आज, 21 अगस्त 2020 को जारी ताजा विज्ञप्ति के अनुसार परीक्षाओं का आयोजन आवश्यक सावधानियों के साथ किया जाएगा और परीक्षाओं के स्थगित नहीं किया जाएगा। बता दें कि जेईई मेन 2020 परीक्षा 1 सितंबर से 6 सितंबर तक और नीट 2020 परीक्षा 13 सितंबर को आयोजित की जानी है।

एजेंसी ने अपने नोटिस में बताया कि कोविड-19 महामारी को देखते हुए जेईई मेन 2020 परीक्षा के उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र के शहर में परिवर्तन करने का विकल्प 5 पांच बार दिया गया था। इस विकल्प का लाभ उठाते हुए कुल पंजीकृत 8,58,273 उम्मीदवारों में से 6,61,911 परीक्षार्थियों ने अपने परीक्षा शहर में परिवर्तन किया है। इन परीक्षार्थियों को उनके सबसे लेटेस्ट चुने गये ऑप्शन के अनुसार परीक्षा केंद्र के शहर का आवंटन किया गया है। एजेंसी ने बताया कि जेईई मेन परीक्षा के लिए 99.07 फीसदी उम्मीदवारों कों चुने गये पहले विकल्प के अनुसार परीक्षा केंद्र शहर का आवंटन किया गया है।

दूसरी तरफ परीक्षा के आयोजन को लेकर एजेंसी ने जानकारी दी है कि सभी परीक्षाओं के लिए आवश्यक सावधानियों को पूरा करते हुए तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं और उम्मीदवारों को भी कोविड-19 के सम्बन्ध में एडवाइजरी पहले ही जारी की जा चुकी है।

इन सभी विवरणों के साथ राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने जेईई मेन 2020 और नीट 2020 परीक्षा में सम्मिलित होने वाले उम्मीदवारों को उनके एग्जाम के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

सुशांत के घर पर छह घंटे रही सीबीआइ की टीम, किया पूंछताछ

राज्य ब्यूरो, मुंबई। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की संदिग्ध मौत के मामले की जांच करने मुंबई पहुंची सीबीआइ की टीम शनिवार को करीब छह घंटे उनके बांद्रा स्थित घर पर रही। वहां सुशांत की कथित आत्महत्या के सीन को रिक्रिएट किया गया तथा अन्य सुबूत भी इकट्ठा किए गए। इस दौरान सीबीआइ टीम ने घटना के दिन सुशांत के फ्लैट में रहे सिद्धार्थ पिठानी, रसोइया नीरज एवं एक अन्य स्टाफ दीपेश सावंत से पूछताछ भी की। सीबीआइ के जांच अधिकारी शनिवार को दोपहर बाद करीब 2.30 बजे आठ कारों में बांद्रा (पश्चिम) स्थित मोंट ब्लांक बिल्डिंग पहुंचे। उनके साथ फॉरेंसिक विशेषज्ञ भी थे। सिद्धार्थ पिठानी, नीरज सिंह एवं दीपेश सावंत को सीबीआइ टीम अपने साथ ही ले गई थी। नीरज सिंह सुशांत की मौत से पहले उनसे बात करनेवाला आखिरी शख्स था। दोपहर एक बजे तक सुशांत का दरवाजा नहीं खुलने पर चाबी वाले को बुलवाकर दरवाजा खुलवाने एवं कथित तौर पर पंखे से लटके सुशांत के शव को उतारनेवाला सिद्धार्थ पिठानी था। सीबीआइ की टीम इन तीनों के बयानों के आधार पर सीन को रिक्रिएट करते हुए इनसे पूछताछ भी करती रही। शाम करीब आठ बजे फ्लैट से निकलने के बाद भी तीनों को अपने साथ लेती गई है। पता चला है कि सीबीआइ टीम सुशांत के फ्लैट पर फिर आ सकती है।

सीबीआइ की टीम ने कार्टर रोड स्थित मोंट ब्लांट बिल्डिंग के गेट पर रखे आगंतुक रजिस्टर को भी खंगाला एवं बिल्डिंग के सुरक्षा गार्ड से पूछताछ भी की। गार्ड को सुशांत के फ्लैट पर ले जाकर भी पूछताछ की गई। सुशांत इस बिल्डिंग के डूप्लेक्स फ्लैट नंबर 601 में रहते थे, जिसमें प्रवेश के बाद अंदर से ही सातवीं मंजिल के फ्लैट पर जाया जा सकता है। सुशांत का कमरा सातवीं मंजिल पर था। फॉरेंसिक टीम ने दोनों मंजिलों के फ्लैट से तमाम तरह के सुबूत एवं फिंगर प्रिंट इकट्ठा किए। फिर बिल्डिंग की छत पर स्थित पानी टंकी के ऊपर भी जाकर अड़ोस-पड़ोस की वीडियो रिकॉर्डिंग की। पता चला है कि सीबीआइ टीम ने सुशांत के कुछ पड़ोसियों से भी बात की है। सूत्रों के अनुसार सिद्धार्थ पिठानी, नीरज एवं दीपेश से डीआरडीओ-एयरफोर्स गेस्टहाउस में भी रात में पूछताछ की जा सकती है। सिद्धार्थ एवं दीपेश से शुक्रवार को भी लंबी पूछताछ हुई थी। सुशांत के फ्लैट पर जाने से पहले सीबीआइ की एक टीम ने कूपर अस्पताल जाकर उन तीन डॉक्टरों से भी पूछताछ की, जिन्होंने सुशांत का पोस्टमार्टम किया था। बता दें कि सुशांत का पोस्टमार्टम हड़बड़ी में किए जाने के आरोप लग रहे हैं। कोविड-19 के दौरान हुई इस प्रकार की मौत के पोस्टमार्टम से पहले शव का कोरोना परीक्षण कराना जरूरी होता है। सुशांत से एक सप्ताह पहले हुई उसकी पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के बाद उसके शव का कोरोना परीक्षण करवाया था। लेकिन सुशांत के मामले में रात में ही पोस्टमार्टम कर दिया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत के समय का उल्लेख न होना भी संदेह खड़े कर रहा है। इसलिए सीबीआइ इस पोस्टमार्टम पर दिल्ली एम्स के विशेषज्ञों की भी मदद ले रही है। दूसरी ओर सीबीआइ की एक टीम ने आज फिर बांद्रा पुलिस स्टेशन पर सुशांत मामले की जांच में शामिल पुलिस टीम से पूछताछ की।

दिल्ली के बाद रामनगरी अयोध्या थी आतंकी अबू यूसुफ का निशाना !

लखनऊ, जेएनएन। दिल्ली में पकड़े गए आइएसआइएस से जुड़े आतंकी अबू यूसुफ को लेकर दिल्ली पुलिस शनिवार रात उतरौला तहसील के बढा भैसाही गांव पहुंची। वहां से पटाखों का काम करने वाले दो और लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस को उसके गांव के एक तालाब से मानव बम में प्रयुक्त होने वाले दो जैकेट और कुछ विस्फोटक मिले हैं। यूसुफ की गांव की संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए यह आशंका जताई जा रही है कि दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस पर हमले के बाद उसका निशाना अयोध्या थी। अयोध्या के निकट ही उसका घर होने की वजह से भी ऐसी साजिश की आशंका को बल मिला है।

क्षेत्र के हासिमपारा बाजार में

कॉस्मेटिक की दुकान चलाने वाला मुस्तकीम उर्फ अब्दुल यूसुफ लगभग चार वर्ष पहले विदेश में प्लास्टर ऑफ पेरिस का काम करता था। वहां चोटिल हो जाने के बाद यहां आकर दुकान करने लगा। परिवार में सबसे बड़ा मुस्तकीम है, जबकि दो भाई हसीब व हकीम कतर में रहते हैं। छोटा भाई अकीम अभी पढ़ाई कर रहा है। मुस्तकीम अपनी कास्मेटिक्स की दुकान में कम ही बैठता था। दिल्ली पुलिस व यूपी एटीएस की टीम ने सुबह से ही गांव में डेरा डाल लिया था। रात करीब आठ बजे दो गाडि?ां से एटीएस व दिल्ली पुलिस उसे लेकर गांव पहुंची। बढ?ा भैसाही व आसपास के गांवों में उसकी क्या गतिविधियां है, इसकी पड़ताल की जा रही है। साथ ही घटना को अंजाम देने के लिए विस्फोटक व अन्य सामग्री गांव में छुपाकर तो नहीं रखा है, इसकी भी टोह टीमें ले रहीं हैं। चर्चा है कि यूसुफ ने गांव के कब्रिस्तान में करीब दो माह पहले विस्फोटक का ट्रायल किया था। दिल्ली पुलिस ने उतरौला के गोंडा मोड़ स्थित गांधीनगर मुहल्ले में रहने वाले दो पटाखा बनाने वालों को उठाया। उनसे एक कमरे में यूसुफ को आमने-सामने कर पूछताछ की जा रही है, लेकिन कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार बलरामपुर के पचपेड़वा थाना क्षेत्र के एक गांव में करीब दो वर्ष पूर्व एक सेटेलाइट फोन बरामद हुआ था जिसकी जांच पड़ताल के बाद मामला ठंडा हो गया था। अब आतंकी के तार जिले से जुड़े होने के माना जा रहा है कि वह फोन यूसुफ का ही था। अपर पुलिस अधीक्षक अरङ्क्षवद कुमार मिश्र ने बताया कि आतंकी की निशानदेही पर घर के पास स्थित तालाब से मानव बम में प्रयुक्त होने वाले दो जैकेट बरामद किए गए हैं। साथ ही घर से विस्फोटक व आपत्तिजनक साहित्य मिला है।

भूमि पूजन के बाद ही रच रहा था साजिश, अयोध्या में सतर्कता बढ़ी

दिल्ली में शुक्रवार रात पकड़े गए आइएसआइएस के आतंकी अब्दुल यूसुफ खान की गिरफ्तारी के बाद सूबे में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। खासकर अयोध्या, वाराणसी व मथुरा में अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली में आइईडी के साथ पकड़े गया आतंकी अब्दुल यूसुफ खान अयोध्या में भूमि पूजन के बाद बड़ी वारदात करने की साजिश रच रहा था। एडीजी एटीएस डीके ठाकुर का कहना है कि कुछ तथ्य सामने आए हैं, जिनके आधार पर और जानकारियां जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। उसके आतंकी संगठनों से कनेक्शन व अन्य ङ्कषबदुओं को खंगाला जा रहा है। पुलिस महानिदेशक हितेश चंद्र अवस्थी ने बताया कि सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों की सुरक्षा-व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है।

पेट्रोल की कीमतों में आज फिर आया उछाल जानिए क्या हो गई हैं कीमतें

नई दिल्ली, बिजनेस डेस्क। देश में पेट्रोल की कीमतों में शनिवार को उछाल आया है। हालांकि, डीजल की कीमतें अभी भी स्थिर बनी हुई हैं। डीजल की कीमतों में पिछले 21 दिनों से कोई बदलाव नहीं हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार को पेट्रोल के भाव में 16 पैसे की बढ़ोत्तरी हुई है। इस बढ़त से दिल्ली में पेट्रोल का भाव 81.35 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं, डीजल अपने पुराने भाव 73.56 रुपये प्रति लीटर पर ही बना हुआ है। दिल्ली के साथ ही देश के दूसरे महानगरों में भी शनिवार को पेट्रोल की कीमतों में उछाल आया है। मायानगरी मुंबई की बात करें, तो यहां शनिवार को पेट्रोल के भाव में 15 पैसे की बढ़ोत्तरी हुई है। इस बढ़त से मुंबई में पेट्रोल का भाव 88.02 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं डीजल यहां अपने पुराने भाव 80.11 रुपये प्रति लीटर पर ही मिल रहा है। कोलकाता में पेट्रोल के भाव में 15 पैसे की बढ़ोत्तरी हुई है, इससे यह 82.87 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। वहीं, डीजल अपनी पुरानी कीमत 77.06 रुपये प्रति लीटर पर ही मिल रहा है। वहीं, चेन्नई में शनिवार को पेट्रोल 14 पैसे की बढ़त के साथ 84.40 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है और डीजल अपने पुराने भाव 78.86 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। दिल्ली से सटे शहरों की बात करें, तो नोएडा में शनिवार को पेट्रोल के भाव में 12 पैसे की बढ़ोत्तरी हुई है, जिससे पेट्रोल 81.80 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। वहीं, डीजल बिना किसी बदलाव के 73.87 रुपये प्रति लीटर पर ही मिल रहा है। इसके अलावा गुरुग्राम में शनिवार को पेट्रोल 79.52 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 74.03 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है।

कनिमोझी का आयुष सचिव पर आरोप, 'हिंदी में संवाद नहीं कर पाने वालों को वेबीनार से जाने को कहा'

नई दिल्ली, एएनआइ। द्रमुक सांसद कनिमोझी ने एकबार फिर भाषाई विवाद के मसले को उछाला है। कनिमोझी ने आयुष सचिव पर आरोप लगाया है कि अधिकारी ने मंत्रालय के एक वेबीनार के दौरान हिंदी में संवाद नहीं कर पाने वाले प्रतिभागियों को सत्र को छोड़कर जाने के लिए कहा था। द्रमुक सांसद ने इस मामले की शिकायत करते हुए आयुष मंत्री श्रीपद नाईक को एक चिट्ठी लिखी है। कनिमोझी ने अपनी शिकायत में मामले की जांच कराए जाने की भी मांग की है। द्रमुक सांसद कनिमोझी ने कहा कि मुझे बताया गया कि वेबीनार के दौरान गैर हिंदी भाषी डॉक्टरों को कथित तौर पर प्रशिक्षण सत्र छोड़कर जाने को कहा गया। कनिमोझी ने इस वाकए को गंभीर बताते हुए आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा को निलंबित किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा, इससे पता चलता है कि किस तरह हिंदी को थोपा जा रहा है। एक ट्वीट में कनीमोरी ने इसकी निंदा करते हुए कहा, 'सरकार सचिव को निलंबित करे और उचित अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करे। गैर-हिंदी भाषी वक्ताओं को बाहर करने का यह रवैया कब तक सहेंगे?'

इससे पहले भी द्रमुक सांसद कनिमोझी ने कथित भाषाई भेदभाव का मामला उछाला था। कनिमोझी ने आरोप लगाए थे कि हवाई अड्डे पर जब उन्होंने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की एक

अधिकारी से तमिल या अंग्रेजी में बोलने को कहा था तब वह पूछ बैठी कि क्या आप भारतीय हैं। क्या आपको हिंदी नहीं आती है... इस कथित वाकए को उछालते हुए कनिमोई ने ट्वीट कर पूछा था कि मैं जानना चाहूंगी कि कब से भारतीय होना हिंदी जानने के बराबर हो गया है यानी भारतीय होने के लिए हिंदी जानना जरूरी है...

पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने भी हिंदी को लेकर कथित सवाल के मामले में कनीमोझी का समर्थन किया था। चिदंबरम ने कहा था कि मुझे सरकारी अधिकारियों और आम लोगों से बातचीत के दौरान इसी तरह के अनुभव का सामना करना पड़ा है। टेलीफोन पर या आमने-सामने की बातचीत के दौरान उनका जोर रहता है कि मुझे हिंदी में ही बोलना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा था कि केंद्र सरकार के सभी कर्मचारियों को दोनों भाषाओं की जानकारी होनी चाहिए। द्रमुक अध्यक्ष एमके स्टालिन ने भी कनीमोझी का समर्थन किया था।

रोहित शर्मा को मिलेगा देश का सबसे बड़ा खेल पुरस्कार, BCCI ने दी बधाई

नई दिल्ली, जेएनएन। शुक्रवार की शाम को इस बात की पुष्टि हुई कि भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को इस साल राजीव गांधी खेल रत्न सम्मान से नवाजा जाएगा। जैसे ही इस बात की पुष्टि हुई कि रोहित शर्मा को देश का सबसे बड़ा खेल सम्मान मिलेगा तो इसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (इउउक) ने भी उनको बधाई दी है। बीसीसीआइ ने इस साल अर्जुन अवॉर्ड पाने वाले क्रिकेटर इशांत शर्मा और दीप्ति शर्मा को भी बधाई दी है।

खेल मंत्रालय ने रोहित शर्मा समेत अन्य खिलाड़ियों को खेल रत्न दिए जाने की सिफारिश को मंजूरी दे दी है। इसके बाद बीसीसीआइ ने अपने आधिकारिक ट्विटर से हिटमैन रोहित शर्मा को बधाई दी है, जो शुक्रवार को ही इंडियन प्रीमियर लीग यानी आइपीएल के लिए यूएई पहुंचे हैं। रोहित शर्मा से पहले तीन भारतीय दिग्गजों को इस सम्मान से नवाजा जा चुका है, जिनमें सचिन तेंदुलकर, एमएस धौनी और विराट कोहली शामिल हैं।

इउउकने रोहित की वर्ल्ड कप 2019 की एक तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा है, "बधाई हो रोहित शर्मा भारत के सर्वोच्च खेल सम्मान (राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार 2020) से सम्मानित होने के लिए। वह यह पुरस्कार पाने वाले केवल चौथे भारतीय क्रिकेटर हैं। हमें आप पर गर्व है, हिटमैन!" रोहित शर्मा ने पिछले साल क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में कमाल किया था। इसी के दम पर उनको खेल रत्न सम्मान पाने गौरव हासिल हुआ है।

दो साल से कम समय में खत्म हो जाएगी कोरोना महामारी, आखिरकार WHO ने जताई उम्मीद

जेनेवा, रायटर। विश्व स्वास्थ्य संगठन को उम्मीद है कि दो वर्ष से भी कम समय में कोरोना वायरस महामारी खत्म हो जाएगी। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस एधनोम घेब्रेयेसुस ने शुक्रवार को कहा कि 1918 में शुरू हुआ स्पेनिश फ्लू दो वर्षों में समाप्त हुआ था। उन्होंने कहा कि यदि दुनिया एकजुट रही और वैक्सीन की खोज हुई तो यह महामारी दो साल से कम समय में खत्म हो जाएगी।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा, 'आज हमारे पास तकनीक है और संपर्क के ज्यादा तरीके हैं। ऐसे में वायरस के फैलने की पूरी संभावना है। यह तेजी से फैल सकता है

क्योंकि आज हम ज्यादा जुड़े हैं।' उन्होंने कहा कि इसके साथ ही इसे रोकने के लिए हमारे पास तकनीक और ज्ञान है। हमारे पास वैश्वीकरण, निकटता, संपर्क का नुकसान है तो बेहतर तकनीक का लाभ भी है।

वहीं पाकिस्तान के राष्ट्रीय स्वास्थ्य अकादमी ने आगा खान यूनिवर्सिटी समेत कई सहयोगियों के साथ मिलकर विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से 25 शहरों में नेशनल सिरोप्रीवेलेंस स्टडी की है। अध्ययन में पाया गया है कि पाकिस्तान में 6,219 लोगों की जान लेने और 2,91,588 लोगों को संक्रमित करने वाले कोरोना वायरस के खिलाफ लगभग 11 फीसद पाकिस्तानियों में प्रतिरोधी क्षमता विकसित हुई है।

अमेरिकी दवा कंपनी फाइजर और जर्मन बायोटेक फर्म बायोएनटेक ने अपनी दूसरी कोविड-19 वैक्सीन के पहले चरण के ट्रायल के सकारात्मक परिणाम की घोषणा की है। दवा कंपनियों ने कहा है कि पहली के मुकाबले दूसरी प्रतियोगी वैक्सीन का साइड इफैक्ट कम है।

एक ओर दुनिया महामारी से जूझ रही है तो दूसरी ओर चीन में बड़े पैमाने पर पूल पार्टियां आयोजित करने की अनुमति दी जा रही है। कई तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए हैं, जिनमें वुहान में एक म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान बड़ी संख्या में लोग एक पूल पार्टी में बिना मास्क पहने दिखाई दिए। वैसे चीन ने एलान कर दिया है कि बीजिंग में अब मास्क पहनने की जरूरत नहीं है। लोग बगैर मास्क पहने बाहर निकल सकते हैं।

इंदौर में बारिश का 39 साल का रिकॉर्ड टूटा, भोपाल में एक दिन में नौ इंच बरसात

भोपाल, राज्य ब्यूरो। अब मानसून की बेरुखी से परेशान मध्य प्रदेश में शुक्रवार-शनिवार मेघ मेहरबान रहे। भोपाल, इंदौर, होशंगाबाद, सागर संभागों में भारी बरसात हुई। इससे कई स्थानों पर बाढ़ के हालात बन गए। इंदौर में 39 साल का रिकॉर्ड टूट गया। यहां 36 घंटे में एक फीट से ज्यादा बारिश दर्ज हुई। वहीं भोपाल में 14 साल में दूसरी बार एक दिन में सर्वाधिक 23 सेंटीमीटर (नौ इंच) बरसात हुई। इसके पूर्व 14 अगस्त 2006 को 24 घंटे में 29.6 सेमी (11.65 इंच) बारिश हुई थी।

भारी बारिश से इंदौर, भोपाल की कई बस्तियों में पानी भर गया। नर्मदा, शिप्रा नदी-नाले उफान पर आ गए। इंदौर में शनिवार सुबह 8:30 बजे तक बीते 24 घंटे में 263.4 मिमी (10.3 इंच) बारिश ने 24 घंटे में सर्वाधिक वर्षा का 39 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। शनिवार सुबह तक बीते 36 घंटे में इंदौर में कुल 318.8 मिमी (12.5 इंच) बारिश हुई। यह एक फीट से ज्यादा है।

इंदौर में इससे पहले 10 अगस्त 1981 को 24 घंटे में 212.6 मिमी बारिश हुई थी

इंदौर मौसम केंद्र के विज्ञानी अमितेश यादव के मुताबिक इंदौर में इससे पहले 10 अगस्त 1981 को 24 घंटे में 212.6 मिमी (8.3 इंच) बारिश हुई थी। हालांकि इससे पहले 27 जुलाई 1913 को 24 घंटे में सर्वाधिक 11.5 इंच बारिश का रिकॉर्ड कायम है। मानसून सीजन के चार माह में इंदौर में औसत बारिश 901.3 मिमी (35.4 इंच) होती है। शनिवार को इंदौर में पिछले तीन माह की औसत बारिश (27.8 इंच) का कोटा भी पूरा हो गया।

भोपाल में नौ इंच और होशंगाबाद में 7 इंच बारिश

भोपाल शहर में शनिवार सुबह 8.30 बजे समाप्त 24 घंटे में 23.3 (नौ इंच से ज्यादा) वर्षा हुई। होशंगाबाद में 7 इंच, रायसेन में 5.78 इंच, उज्जैन में साढ़े छह इंच, सागर 2.08 इंच, रतलाम, बैतूल में करीब दो इंच व खजुराहो में डेढ़ इंच तथा दमोह में 1.41 इंच वर्षा हुई। इसलिए हुई इतनी वर्षा भोपाल मौसम केंद्र के वरिष्ठ विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि गहरे कम दाब का क्षेत्र पूर्वी मप्र में पहुंचा तो उसे अरब सागर से भी नमी मिलना शुरू हो गई। इस वजह से वह न केवल शक्तिशाली हुआ बल्कि स्थिर भी बना रहा। मानसून ट्रफ में सिस्टम से होकर बंगाल की खाड़ी तक द्रोणिका बनी रही। इस वजह से भोपाल, इंदौर, सागर, होशंगाबाद संभाग में भारी बरसात हुई।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज रविवार, 23 अगस्त, 2020

संक्षेप समाचार

समझौते के लिए मायके पक्ष पर बनाया जा रहा दबावए शिकायत

करछना। तहसील क्षेत्र की मुंगारी गांव की एक विवाहिता कमलावती की शादी घूरपुर थाना क्षेत्र के सरंगापुर में हुयी थी। तीन दिन पूर्व उक्त विवाहिता का शव सरंगापुर रेलवे लाइन के पास मिला था। जिसपर मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाते हुए घूरपुर थाने में शिकायती पत्र दिया था। कार्यवाही होने के डर से ससुराल पक्ष के लोगो के द्वारा बराबर समझौते कराने का दबाव बनाया जा रहा है। शुक्रवार रात को मृतका के मायके दमरी का पूरा मुंगारी में 4.5 लोग घर आकर मृतका के भाई प्रेमचन्द्र को समझौता करने का दबाव देते हुए धमकी दी कि किसी भी प्रकार समझौता कर लो नही तो ठीक नही होगा। जिसकी लिखित शिकायत भुक्तभोगी ने औद्योगिक थाने में करते हुए दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

खड़ी ट्रक में बाइक भिड़ी, बैंक कर्मचारी की मौत

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के महरूपुर हाईवे पर खड़ी ट्रक में पीछे से बाइक ने टक्कर मार दी जिसमें बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई।सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोइरौना थाना अंतर्गत इनारे गांव निवासी देवेंद्र प्रताप सिंह जो किसानी कर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं।उनका बेटा आनंद प्रताप सिंह उर्फ अन्नू उम्र 25 वर्ष जो कौड़िहार थाना नवाबगंज अंतर्गत बंधन बैंक में कर्मचारी था। शनिवार सुबह छुट्टी होने से आनन्द व बैंक कर्मचारी कमलेश यादव दोनों अलग अलग बाइक से अपने घर के लिए जा रहा थे। जैसे ही उतराव थाना क्षेत्र के महरुपुर हाईवे पर लगभग 7 के करीब पहुंचा ही था कि सर्विस रोड पर पलटी ट्रक को देखने लगा। वही आगे बिगड़ी हुई ट्रक खड़ी हुई थी जिसमें जाकर जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें बाइक पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गई तथा बैंक कर्मचारी आनंद प्रताप सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दिया सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। सूचना पर घटनास्थल पर रोते बिलखते परिजन भी पहुंच गए। वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की 1 वर्ष पूर्व शादी हुई थी मृतक दो भाई तथा चार बहन हैं। मृतक भाइयों में सबसे बड़ा था। आनंद प्रताप सिंह की मौत से पत्नी अर्छिता व माता सुमन अन्य परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

हादसे के बाद पंचनामा भर शव को अपने कब्जे में लेती पुलिस

मिनी ब्रांच संचालक से लूट का प्रयास

खीरी। कोरांव थाना क्षेत्र के एक मिनी बैंक संचालक से शुक्रवार की रात लूट का असफल प्रयास हुआ।जिसका भुक्तभोगी ने कोरांव पुलिस को सूचना देकर विधिक कार्यवाही की मांग किया। जानकारी के अनुसार रवि शंकर कुशवाहा पुत्र हिंद लाल कुशवाहा निवासी सिकरो, कोरा व का रतौरा बाजार में बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक का ग्राहक सेवा केंद्र खुला। जिससे आजीविका उनकी आजीविका चलती है। आरोप है कि ग्राहक सेवा केंद्र का काम मिटाते हुए बरसात होने के कारण घर जाने में कुछ देर हो गई। रास्ते में रतौरा मोड़ के कुछ आगे राइस मिल के पास दो मोटरसाइकिल सवार ने पीछे से मोटरसाइकिल पर झटका देकर गिराना चाहा। जिससे भुक्तभोगी गिरते हुए बचा निकला। उक्त दोनों आरोपी मोटरसाइकिल व मोबाइल छीनने का प्रयास किए जिसमें नोकझोंक शुरू हो गया।तब तक दोनों आरोपी भाग निकले मामले में मुक्त होगी ने पुलिस को तहरीर दिया।

बंद मकान से चोरों ने नकदी समेत लाखों रुपए के जेवरात उड़ाए

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के माधवपुर पट्टी, खरकौनी गांव में चोरों ने मौका पाते ही एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए खंगाल ले गए। चोरों ने नकदी समेत लाखों रुपए के जेवरात पर हाथ साफ कर दिए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके वारदात स्थल पर पहुंची और हर बार की तरह जांच पड़ताल करते हुए बैरंग वापस लौट गई। तहरीर मिलने पर अज्ञात चोरों के खिलाफ नैनी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

जानकारी के मुताबिक नैनी कोतवाली क्षेत्र के माधवपुर पट्टी, खरकौनी निवासी सुरेश चंद्र पुत्र स्वर्गीय बुलाकी लाल बीते 20 अगस्त को वह परिवार समेत मकान में ताला बंद कर शहर स्थित एक अस्पताल गए हुए थे। अगले दिन 21 अगस्त को जब वह रात्रि में अपने घर पर पहुंचे तो बंद मकान का ताला टूटा देख दंग रह गए। भुक्तभोगी के मुताबिक चोर ताला तोड़कर मकान के अंदर दाखिल हो गए और अलग-अलग कमरों का ताला तोड़कर चोरों ने सोने की तीन हार, तीन अंगूठी, तीन जंजीर, चांदी की पेटी, छागल सहित 88 हजार रुपए नकदी चोरी कर फरार हो गए। बता दें कि बीते कुछ दिनों के अंतर्गत नैनी कोतवाली क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर चोरों ने बंद मकानों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के उपकरणों पर हाथ साफ कर फरार हो चुके हैं। फिर भी एक भी चोरी का खुलासा पुलिस द्वारा नहीं किया जा सका है। लगातार चोरी की घटना होने से लोगों में हड़कंप मचा हुआ है।

राष्ट्र की प्रगति का सारा दारोमदार युवाओं के हाथ में : ठकुरिया

करमा । किसी देश का युवा वर्ग ही अमुक देश की रीढ़ होता हैं युवा वर्ग जितना अधिक शिक्षित एवम संस्कारवान होगा उक्त राष्ट्र उतना ही विकसित एवम सभ्य होगा इसलिए सभी युवाओं का नैतिक कर्तव्य हैं कि समाज एवम राष्ट्र की प्रगति के लिए जितना अधिक हों सकें उतना ही पढ़ें एवम अच्छे लोगों की संगति करें उक्त बातें राघवेन्द्र ठकुरिया नें शनिवार कों एक खेल के मैदान में युवाओं के मार्गदर्शन में कही श्री ठकुरिया कौंधियारा विकास खण्ड में सहायक अध्यापक हैं जों सदैव वृक्षारोपण, खेलकूद आदि विषयों पर युवाओं कों आवश्यक दिशा निर्देशन प्रदान करतें रहते हैं बताया जाता हैं कि श्री ठकुरिया 'जल, जंगल, जमीन' कों आवश्यक बताते हुए इनके संरक्षण की महत्ता कों समझाकर युवाओं कों इनके संरक्षण की शपथ भी दिलवातें हैं ।

आकाशीय बिजली से युवा किसान की मौत

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र के जाम्हा गांव में शनिवार शाम आकाशीय बिजली गिरने से युवा किसान की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की।

मऊआइमा के जाम्हा गांव निवासी सुनील कुमार पटेल (20) पुत्र मूलचन्द्र पटेल दो बहनों के बीच अकेला भाई था। वह खेती एवं अपने पिता के साथ सटरिंग का काम करता था। बताया जा रहा है कि शनिवार दोपहर घर से सामान लेने के लिए बाजार गया। वहां से वापस लौटते समय तेजपुर गांव के समीप अचानक बज्रपात का शिकार हो गया और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। खबर मिलते ही उसके परिवार के लोग बदहवास हालत में मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। अपर पुलिस अधीक्षक गंगा पार नरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एक युवक की आकाशीय बिजली गिरने से जान चली गई।

मौत के बाद रोते बिलखते परिजन

सीएचसी जसरा में मिले दो संक्रमित

जसरा । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसरा में कोरोना जांच के लिए इकतालीस लोगों ने अपनी अपनी जांच कराई जिसमें एक महिला व एक शिक्षक कोरोना पाजिटिव पाये गये। सूचना जैसे ही दोनों गांवों में पहुंची तो लोगों में हड़कंप मच गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा में कोरोना जैसी वैश्विक महामारी को देखते हुए प्रतिदिन कोविड-19जांच के लिये दोपहर बारह बजे से दो बजे दिन तक जांच किया जा रहा है। सीएचसी अधीक्षक डा०तरुण पाठक ने बताया कि शनिवार को कुल इकतालीस लोगों ने जांच कराया। जांच में श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कालेज जसरा के एक शिक्षक व घूरपुर की एक महिला पाजिटिव पाई गई। अधीक्षक ने बताया कि दोनों संक्रमितों को प्रयागराज के कालिन्दीपुरम के लिए भेज दिया गया है।

शिक्षक के नजदीकी क्वारंटीन

श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कालेज जसरा में कार्यरत संक्रमित शिक्षक शुक्रवार को विद्यालय में शिक्षकों व प्रवेश लेने वाले बच्चों के साथ रहे। साथ रहने वाले शिक्षकों को अपने घरों में होम क्वारंटीन होना चाहिए।

शिक्षा का मूल उद्देश्य व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करना : राज्यपाल

प्रयागराज। शिक्षा का मूल उद्देश्य व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करना है और इस संदर्भ में भारतीय मनीषियों ने जो चिंतन किया है, वही हमारे शिक्षा नीति का आधार होना चाहिए। यह बातें मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में संबोधित करते हुए कही।

ऑक्टा और संज्ञार्थ शोध संस्थान की ओर से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर शनिवार को आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन में उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यता अपने ज्ञान के लिए जानी जाती है और यहां के मनीषियों ने ज्ञान की परंपरा को जीवित रखा है। हमारी शिक्षा, हमारा आचरण उसी परंपरा के अनुरूप ही होना चाहिए तभी हम सही शिक्षा अर्जित कर सकते हैं। राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति भारतीय चिंतन के अनुरूप भारत में शिक्षा को आगे बढ़ाने की बात करती है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आर आर तिवारी ने कहा कि अच्छा इंसान बनाने के लिए शिक्षा का प्रयास होना चाहिए। शिक्षा के क्षेत्र में जो भी परिवर्तन हो वह हमारी परिस्थितियों के अनुकूल होना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की ड्राफ्ट कमेटी के सदस्य रहे प्रो टीवी कट्टीमनी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में समानता और समावेश विषय पर कहा कि नई शिक्षा नीति में बहुत सारे ऐसे परिवर्तन हैं जो छात्र को उसकी मूल प्रकृति से, उसके गांव से, उसकी भाषा से जोड़ते हैं और समाज के वंचित तबकों के बच्चों को ज्यादा अवसर प्रदान करने की व्यवस्था करते हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक संसाधनों से ज्यादा महत्वपूर्ण है मानवीय संसाधन, जिसे बेहतर करने का प्रयास शिक्षा नीति में हैं।

ट्रिपल आईटी के निदेशक प्रोफेसर पी नागभूषण ने कहा कि परीक्षा की प्रणाली में बदलाव और बच्चों को ज्यादा व्यावहारिक जानकारी देने की है। नीपा, नई दिल्ली के प्रो कुमार सुरेश ने शिक्षा में गवर्नेंस के रूपांतरण के संदर्भ में विस्तार से अपनी बात रखी। ऑक्टा पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर आरपी सिंह ने वेबीनार का विषय प्रवर्तन किया।

द्वितीय सत्र में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कुलदीप अग्निहोत्री ने कहा कि अब तक की शिक्षा नीति अंग्रेजी सोच पर आधारित थी और पहली बार शिक्षा नीति में भारतीय परंपरा और परिस्थितियों के अनुकूल शिक्षा देने की बात है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष और जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा के पूर्व कुलपति प्रो हरिकेश सिंह ने कहा कि यह शिक्षा नीति लोक केंद्रित नहीं है बल्कि सत्ता और लाभ केंद्रित है। यह भी कहा कि शिक्षा को राज्य के विषय से हटाकर केंद्रीय सूची में डालना चाहिए। इग्नू के स्कूल आफ एजुकेशन के प्रो सीबी शर्मा ने स्कूल शिक्षा में हुए बदलाव की स्थिति पर प्रकाश डाला। जबकि सीबीएसई नई दिल्ली के प्रशिक्षण और कौशल शिक्षा के निदेशक डॉ विश्वजीत साहा ने वोकेशनल शिक्षा और प्रशिक्षण के महत्व और इसे मुख्य विषयों के बराबर करने पर चर्चा की। हायर एजुकेशन में समावेशन विषय पर डॉ शकुंतला मिश्रा विकलांग विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो राणा कृष्ण पाल सिंह ने दिव्यांगों की शिक्षा की आवश्यकताओं और उनके विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। कॉलेज कंसोलिडेशन कमेटी के चेयरमैन और ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ आनंद शंकर सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा से जुड़े हुए परिवर्तनों पर चर्चा करते हुए विद्यालयों को दी जाने वाली स्वायत्तता पर कहा कि यह एक बेहद महत्वपूर्ण कदम होगा कि विश्वविद्यालयों को महाविद्यालयों के बोझ से मुक्त कर उन्हें स्वतंत्र किया जाए और विश्वविद्यालय और महाविद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के केंद्र बने।

वेबीनार का संचालन वेबीनार के संयोजक ऑक्टा महासचिव डॉ उमेश प्रताप सिंह ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ रेखा रानी, डॉ आरपी गंगवार और एसआरएफ के निदेशक डॉ राकेश कुमार सिंह ने किया। डॉ नीलिमा सिंह, डॉ संघसेन सिंह, डॉक्टर संतोष श्रीवास्तव , डॉक्टर सरिता श्रीवास्तव, डॉक्टर अमित पांडे, डॉ ईभा सिरोठिया, डॉक्टर दर्शन कुमार झा, डॉ वेद कुमार मिश्रा ने अतिथियों का परिचय दिया।

दबंगों द्वारा पत्रकार के घर पर जमकर तोड़ फोड़

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के कसिया का पूरा गांव मैं गुरुवार की रात एक हिंदी दैनिक समाचार पत्र के रिपोर्टर के घर गांव के दबंगों द्वारा धावा बोलकर जमकर तोड़फोड़ किया गया ईट पत्थर फेंककर कार को क्षतिग्रस्त कर दिया । पत्रकार दबंगों के डर से कुनबा सहित घर में छुप गए तो उन्हें गाली और जान मारने की धमकी दी गई गुरुवार की रात लगभग 9:00 बजे एक हिंदी दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार शारदा यादव अपने घर पर खाना खाने जा रहे थे तभी पड़ोस के शुभम यादव और सुरेंद्र यादव से पैसे के लेन देन को लेकर कहासुनी होने लगी दोनों में बात बड़ी तो जमकर दो पक्षों में ईट पत्थर चलने लगे सुरेंद्र के पक्ष से डेढ़ दर्जन से अधिक लोग शुभम के घर धावा बोल दिया कई लोगों को मारने पीटने के बाद पत्रकार शारदा यादव के घर भी शुभम यादव की मदद करने का आरोप लगाते हुए ईट पत्थर फेंकने लगे तांडव देखते पत्रकार कुनबा सहित घर में छुप गए तो उन्हें भी परिवार सहित गाली और जान मारने की धमकी दी गई ईट पत्थर फेंके जाने से उनकी दरवाजे के सामने खड़ी कार भी क्षतिग्रस्त हो गई शारदा यादव ने मामले की सूचना तत्काल थाना अध्यक्ष चंद्रभूषण मौर्य को दी थाना अध्यक्ष तत्काल फोर्स लेकर मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और पुलिस शुभम यादव और सुरेंद्र यादव दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर दोनों पक्षों के घायलों को अस्पताल भेज दिया गया अभी भी विवाद को लेकर तनाव बना हुआ है।

घटनास्थल पर पड़े ईंट पत्थर

धान के खेत में मिट्टी निकाल कर प्रधान द्वारा बनवायी जा रही सड़क, शिकायत

किसानों ने कहा सही नाप कराने के बाद ही चकमार्ग का निर्माण कार्य कराया जाय

करछना। तहसील करछना के अंतर्गत मड़वा गांव में ग्राम प्रधान द्वारा चकमार्ग का निर्माण कराया जा रहा है जिसके लिए मिट्टी अगल-बगल के काश्तकारों के खेतों से लिया जा रहा है। जिससे किसानों द्वारा बोई गयी धान की फसल नष्ट हो रही है जब किसान इसका विरोध करते है तो प्रधान दबंगई के बल पर गाली गलौज करते हुए मारपीट पर आमादा हो जाता है जिसको लेकर के गांव के ही किसान लालबाबू यादव, रंग बहादुर यादव, बरमदीन, संतलाल व मंगला प्रसाद ने उपजिलाधिकारी करछना आकांक्षा राना को शिकायती पत्र ग्राम प्रधान राजितराम यादव के खिलाफ दिया। किसानों का आरोप है कि प्रधान दबंगई के बल पर निर्धारित स्थान से चकमार्ग नही बना रहे है। प्रधान अपने बाग को बचाने के लिए हल्का लेखपाल टीम व पुलिस से मिलीभगत करके उनकी भूमिधरी जमीन में से जबरन चकमार्ग का निर्माण करा रहे है। उक्त काश्तकारों ने मामले के सम्बन्ध में कई बार तहसील पर शिकायत किया गया लेकिन कोई कार्यवाही नही हुई। किसानों ने मांग की है कि सही नाप कराने के बाद ही निर्धारित स्थान से ही चकमार्ग का निर्माण कार्य कराया जाय।

अपनी मांगों को लेकर दो दिवसीय हड़ताल पर मनरेगा कर्मी

फूलपुर। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर झारखंड में मनरेगा कर्मियों के द्वारा किए गए अनिश्चितकालीन हड़ताल के समर्थन में उत्तर प्रदेश के रोजगार सेवकों ने भी दो दिवसीय कलमबंद हड़ताल का ऐलान किया है। फूलपुर में शुक्रवार को हुई बैठक में आगामी 26 व 27 अगस्त को होने वाले कलमबंद हड़ताल की सूचना देते हुए ग्राम रोजगार सेवक पंचायत मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अरुण यादव ने बताया कि कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी में भी रोजगार सेवकों के साथ ही अन्य मनरेगा कर्मियों ने अपना जीवन दांव पर लगाकर निरंतर मनरेगा कार्यों को क्रियान्वित करने का काम किया है। वहीं बैठक में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश पटेल ने कहा कि सबका साथ सबका विकास की बात करने वाली सूबे की योगी सरकार से भी रोजगार सेवकों को बहुत उम्मीदें थीं। परन्तु सरकार की निरंकुशता व तानाशाही रवैए ने संवेदनहीनता की पराकाष्ठा को पार कर दिया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के सभी मनरेगा कर्मियों से हड़ताल में शामिल होने की अपील की। मंडल अध्यक्ष विजय चन्द्र विश्वकर्मा ने बताया कि अखिल भारतीय मनरेगा कर्मचारी महासंघ दिल्ली द्वारा सरकार से मनरेगा कर्मियों के उज्जवल भविष्य के लिए उनके हित में कदम उठाने का आग्रह किया जाता रहा। परन्तु सरकार व विभाग द्वारा कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया गया। वहीं 27 जुलाई से हड़ताल पर बैठे झारखंड के मनरेगा कर्मियों को सेवा समाप्ति की धमकी देना सरकार की संवेदनहीनता व तानाशाही का परिचायक है। जिला मीडिया प्रभारी हरिओम प्रकाश ने बताया कि दो दिवसीय हड़ताल को संगठन के निर्देश पर आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इस मौके पर रोजगार सेवक सुरेश चंद्र, अजय गुप्ता, रविन्द्र मिश्रा, कोमलम सरोज, रंजीत यादव, पंकज पटेल, अनिल कुमार, श्रीपति मौर्य, उपेन्द्र पटेल, प्रभाकर, राहुल प्रभाकर, मीरा मौर्य, पुष्पा राकेश, संगीता सहित अन्य मनरेगा कर्मी मौजूद रहे।

कोटेदार के ऊपर ग्रामीणों ने लगाया घटतौली का आरोप

लालापुर। लालापुर क्षेत्र के चकशिवचेर कोटेदार के ऊपर ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि चकशिवचेर की कोटेदार कविता देवी जो कि ग्राम परदवां जनपद चित्रकूट की स्थायी रूप से मूल निवासिनी हैं, उनके पति राजेश कुमार पाण्डेय प्राथमिक विद्यालय परदवाँ मे अध्यापक पद पर कार्यरत हैं, कोटे का संचालन स्वयं कविता देवी के द्वारा न करके बल्कि उनके छोटे भाई राजेश कुमार त्रिपाठी उर्फ राजू त्रिपाठी के द्वारा किया जाता है जो कि ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि हम सभी कार्डधारक उनके राशन वितरण से संतुष्ट नहीं हैं, जब भी हम राशन लेने जाते हैं वह अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं और गाली गलौज देते हैं और कहते हैं कि जब मेरा मन होगा तब राशन दूंगा अन्यथा नहीं दूंगा जिसको जो करना है कर लो। इस तरह की धमकी देते हैं। ग्रामीणों ने जाकर उपजिलाधिकारी महोदय को प्रार्थना पत्र दिया ग्रामीणों के प्रार्थना पत्र को संज्ञान में लेते हुए। उपजिलाधिकारी बारा ने पूर्ति निरीक्षक बारा विनोद कुमार अग्रहरी को जाँच के लिए चकशिवचेर भेजा साथ ही ग्रामीणों ने कहा कि उक्त राशन की दुकान को निरस्त कर दिया जाये। शुक्रवार को कोटेदार के खिलाफ जांच में आये पूर्ति निरीक्षक बारा से शिकायत कर ग्रामीणों ने कहा कि कोटेदार मानक के अनुसार ग्रामीणों को गल्ला नहीं दे रहा है, राशन देते समय वजन से कम तौल कर देता है। आपूर्ति निरीक्षक ने बताया कि करीब पैतीस लोंगो ने कोटेदार के खिलाफ घटतौली और अभद्रता का आरोप लगाया है। पूर्ति निरीक्षक बारा ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि किसी गरीब जनता के साथ अन्याय नहीं होगा ग्रामीण जगपत, मुरलीधर, रामराज, भैयालाल, प्रभू, सुखराम, बब्बू मोहन, छंगू, अमृतलाल, राजकुमार आदि लोग ने आरोप लगाया है ।

पूर्ति निरीक्षक बारा से शिकायत करते ग्रामीण

प्रयागराज हलचल

प्रयागराज रविवार, 23 अगस्त, 2020

संक्षेप समाचार

व्यक्ति कों कभी भी अपने दायित्वों कों नही भूलना चाहिए : कौशिक

करमा । कोविड -19 महासंकट के इस दौर में अनेकों कोरोना योद्धाओं नें अपने प्राण की चिंता न करतें हुए दिन -रात समाज की सेवा में तत्पर रहें हैं। पुलिस, स्वास्थ्यकर्मी ,मीडिया इत्यादि प्रशंसा के पात्र हैं इन्ही में से एक जारी के बरेठिया में स्थित माँ महागौरी गैस एजेंसी के मालिक कृष्ण कुमार कौशिक भी हैं जिन्होने कोरोना महामारी में भी कौंधियारा के सैकड़ो गाँवों में निरंतर घरेलू गैस की सेवाएं जारी रखी श्री कौशिक का निजी विचार हैं व्यक्ति कों सदैव इमानदारी से अपने कर्तव्यों कों निभाना चाहिए किसी भी व्यक्ति के जीवन में फर्ज से अधिक कुछ भी बड़ा नही होता हैं कोरोना संकट का यह दौर वह अपने जीवन में सदैव स्मरण रखेंगें जिसने लोगों पर अनेकों जुल्म ढाये हैं आगे यह भी बोले कि वह यथाशक्ति जों संभव हों रहा हैं वह पूरी निष्ठा भाव से लोगों की सेवा कर रहें हैं ।

बैंकर्स लम्बित आवेदनों को निस्तारित कर स्ट्रीट वेंडर्स को योजना से करायें लाभान्वित : मण्डलायुक्त

प्रयागराज। मण्डलायुक्त आर रमेश कुमार ने शनिवार को गांधी सभागार में पीएम स्ट्रीट वेण्डर्स आत्मनिर्भर निधि योजना के प्रगति की समीक्षा बैठक में स्ट्रीट वेंडरों को स्वरोजगार हेतु पीएम स्ट्रीट वेंडर आत्मनिधि योजना के तहत 10 हजार रुपए लोन स्वीकृत किये जाने हेतु सभी बैंकों के प्रतिनिधियों को बैंकों में लम्बित लाभार्थियों के आवेदनों को चार दिन में निस्तारित करने का निर्देश दिया।

बैठक में पीओ डूडा ने बताया कि इस योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर्स को 10 हजार रुपए लोन उपलब्ध कराये जाने की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है, जिसमें सरकार द्वारा ब्याज पर सात प्रतिशत की सब्सिडी भी दिए जाने का प्रावधान किया गया है। मण्डलायुक्त ने नगर आयुक्त तथा पीओ डूडा को अभियान चलाकर स्ट्रीट वेंडरों को चिन्हित कराये जाने तथा उनको योजना से लाभान्वित कराये जाने हेतु उनका आनलाइन आवेदन कराने के लिए कहा। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि बैंकों को जो भी लक्ष्य दिए गए है, उसके सापेक्ष स्ट्रीट वेंडर्स के आवेदनों को निस्तारित करते हुए उनको ऋण की सुविधा उपलब्ध कराये। बैंकों में लम्बित आवेदनों के निस्तारण की प्रगति ठीक न पाये जाने पर मण्डलायुक्त ने सभी बैंकर्स को चार दिन के अन्दर लम्बित आवेदन पत्रों को निस्तारित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लोगों को इस योजना के बारे में अधिक से अधिक जानकारी हो सके और स्ट्रीट वेंडर्स उसका लाभ उठा सके। बैठक में नगर आयुक्त रवि रंजन ने योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर पीओ डूडा श्रीमती वर्तिका सिंह, एलडीएम, बैंकों के प्रतिनिधिगण सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक करते मण्डलायुक्त

स्कूल की फीस माफी को लेकर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष द्वारा जिलाधिकारी से अपील

प्रयागराज। वैश्विक महामारी से परेशान हैं वहीं दूसरी ओर प्राइवेट स्कूल लगातार ऑनलाइन क्लासेज के माध्यम से फीस ले रहे हैं जिसको देखते हुए हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष द्वारा जिलाधिकारी से अपील की गई। प्रयागराज की जनता की उत्कट भावनाओं और वर्तमान अप्रत्याशित परिस्थितियों की दृष्टि से सभी अभिभावकों की भावनाओं के परी क्षेत्र में हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरेंद्र नाथ सिंह ने जिला अधिकारी प्रयागराज से चल रही शिक्षा नीति व वैश्विक महामारी कोविड-19 को देखते हुए वर्तमान अप्रत्याशित परिस्थितियों की दृष्टिगत सभी अभिभावकों की भावनाओं के परिपेक्ष में निवेदन किया है कि अशासकीय विद्यालयों द्वारा शिक्षण शुल्क मां अप्रैल-मई जून व जुलाई का माफ करने हेतु उचित निर्देश देने का निवेदन किया है।

प्रयागराज में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय बिल पास होने से खुशी की लहर

विधानसभा शहर पश्चिमी के झलवा में विधि विद्यालय स्थापित होगा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार प्रवक्ता एवं कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के दोनों सदनों में उ.प्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय प्रयागराज बिल पारित होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं मंत्रिमंडल सहित सभी लोगों का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

ज्ञातव्य हो कि प्रयागराज के विधानसभा शहर पश्चिमी क्षेत्र के झलवा में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय स्थापना के लिए जमीन चिन्हित कर ली गयी थी। जहां पर न्याय टाउनशिप आदि भी प्रस्तावित है। प्रयागराज के शहर पश्चिमी में 2017 से लगातार विकास के पायदान बढ़ते हुए विधि विश्वविद्यालय बिल पास होने से विधि क्षेत्र में अधिवक्ता व जज बनने वालों के लिए सौगात होगी। जिससे पूरे उत्तर प्रदेश के विधि अध्ययनरत लोगों को बेहतरीन शिक्षा का विश्वविद्यालय होगा। इस अवसर विधानसभा शहर पश्चिमी के भाजपा एवं अधिवक्ताओं की बैठक राजरूपपुर में हुई जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह को बधाई देते हुए आभार किया और कहा विधानसभा प्रयागराज जनपद के सबसे अधिक विकास की ओर बढ़ने का विधानसभा बन चुका। जिसका पूर्ण सहयोग विधायक शहर पश्चिमी सिद्धार्थ नाथ सिंह को जाता है। इस मौके पर अधिवक्ता अनिल सिंह, भाजपा क्षेत्रीय मंत्री कमलेश कुमार, पवन श्रीवास्तव, जय प्रकाश त्रिपाठी, सीपी मिश्रा, सुनील श्रीवास्तव, चंद्रभूषण धर दुबे, मनोज कुमार, आदि सैकड़ों लोगों ने बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी दिनेश तिवारी ने विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

कैदी कोरोना संक्रमित, हड़कंप

नैनी। केंद्रीय कारागार नैनी में शनिवार को कोरोना बम फूट गया। सर्किल संख्या चार में 19 कोरोना संक्रमित कैदियों के मिलने से अन्य कैदियों के साथ-साथ जेल के अफसरों व कर्मचारियों तक के हाथ पांव फूल गए। बीते 24 घंटे में जेल के अंदर कुल 24 लोग कोरोना संक्रमित मिल चुके हैं। शनिवार को मिले 19 कैदियों में से 18 कैदियों में कोरोना के लक्षण हैं, ?इसलिए सभी को कोविड 19 लेवल वन कोटवा बनी हास्पिटल भेजा गया है। एक कैदी में कोई सिम्टम न होने की वजह से उसे अस्थाई जेल में क्वारंटीन किया गया है। शनिवार को एंटीजन किट से इसी सर्किल के 345 कैदियों की जांच की गई। जिसमें कुल 19 कोरोना संक्र ?मित पाए गए। जिससे हड़कंप मच गया। वरिष्ठ जेल अधीक्षक पीएन पांडेय ने बताया कि बीते 24 घंटे में कुल 24 कोरोना संक्रमित मिले हैं। आज मिले 19 कैदियों मे से 18 को बाहर इलाज के लिए भेजा जा रहा है, जबकि एक को अस्थाई जेल में क्वारंटीन किया जा रहा है।

किरायेदार, किराएदारी स्वीकार करने के बाद मुकर नहीं सकता: हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने किरायेदारी कानून पर एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि किरायेदार, किरायेदारी की स्थिति को स्वीकार करने के बाद उससे मुकर नहीं सकता है। वह बाद में उच्च अदालत में यह नहीं कह सकता कि वास्तविक किरायेदार कोई और है, इसलिए किरायेदारी छोड़ने का आदेश उस पर लागू नहीं होगा। नौगहरा कानपुर नगर के प्रकाश चंद्रा की याचिका खारिज करते हुए यह निर्णय न्यायमूर्ति नीरज तिवारी ने तिवारी ने दिया।

याचिका में प्राधिकृत अधिकारी किरायेदारी कानून और अपर जिला

जज कानपुर नगर के आदेशों को चुनौती दी गई थी। दोनों आदेशों में याची को किराये की दुकान 60 दिन में खाली करने का आदेश दिया गया था। याची की दलील थी कि दुकान 1960 में किराये पर उसके दादा ने ली थी। इसके बाद उसके पिता को विरासत के रूप में प्राप्त हुई। उसके पिता अभी भी जीवित हैं, इसलिए याची के विरुद्ध दुकान खाली करने का आदेश नहीं पारित किया जा सकता है। याची का कहना था हालांकि यह बिंदु उसने प्राधिकृत अधिकारी और अपीलीय कोर्ट के समक्ष नहीं उठाया था। मगर इसे वह किसी भी समय और किसी भी न्यायालय के समक्ष उठा सकता है। कोर्ट ने याची को इस दलील को स्वीकार नहीं किया।

कोर्ट का कहना था कि याची किरायेदार के रूप में दो अदालत में मुकदमा लड़ चुका है और अब इस स्थिति में आकर वह यह नहीं कह सकता कि वह किरायेदार नहीं है। कोर्ट ने याची की इस दलील को अस्वीकार कर दिया कि अधीनस्थ न्यायालयों ने किरायेदार और मकान मालिक की तुलनात्मक समस्या का आंकलन करने में गलती की है। कोर्ट ने कहा कि यह साबित है कि याची ने दुकान के लिए वैकल्पिक स्थान खोजने का कोई प्रयास नहीं किया। मकान मालिक रीतेश भार्गव द्वारा अपने व्यवसाय के विस्तार हेतु दुकान की आवश्यकता बताई गई है, जो सही प्रतीत होती है। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए याची को दुकान खाली करने का नवंबर माह तक का समय दिया है।

वर्चुअल ऑनलाइन शिक्षण 31 जनवरी तक, प्रीबोर्ड परीक्षा फरवरी में

प्रयागराज। पाठ्यक्रम के आधार पर प्रथम बार वर्चुअल स्कूल के कान्सेप्ट के आधार पर कक्षा 9 एवं 11 के लिए स्वयंप्रभा चैनल 22 एवं कक्षा 10 एवं 12 के लिए दूरदर्शन उ.प्र के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण कार्य शासन द्वारा 18 अगस्त से प्रारम्भ कर दिया गया है। विभिन्न कक्षाओं में ऑनलाइन-ऑफलाइन माध्यम से शिक्षण कार्य 31 जनवरी तक पूर्ण किया जायेगा। तत्पश्चात प्रीबोर्ड परीक्षा का आयोजन फरवरी के तृतीय एवं चतुर्थ सप्ताह में किया जायेगा। यह बातें शनिवार को यूपी बोर्ड के सचिव दिव्य कान्त शुक्ला ने पत्रकारों से व्यक्त करते हुए बताया कि प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में

यूपी बोर्ड सचिव

कोविड 19 महामारी के कारण पठन-पाठन में गतिरोध के कारण प्रोजेक्ट ई ज्ञानगंगा के अंतर्गत छात्र-छात्राओं के विभिन्न कक्षाओं में ऑनलाइन वर्चुअल स्कूल के

प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में ऑनलाइन वर्चुअल क्लासेज

माध्यम से 18 अगस्त से शिक्षण कार्य प्रारम्भ किया गया। उन्होंने बताया कि माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा 20 जुलाई को पाठ्यक्रम का विभाजन कर संशोधित शैक्षिक पंचाग एवं शैक्षणिक क्रियाकलाप का माहवार एकेडमिक कैलेन्डर तैयार कर 13 अगस्त को जारी किया गया था, जिसमें ध्यान रखा गया कि छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा सके। बताया कि कक्षा 9 से 12 तक के पाठ्यक्रम को लगभग 30 प्रतिशत संक्षिप्त करते हुए परिषद् की वेबसाइट पर अपलोड कराया गया है। पाठ्यक्रम को पढ़ाने, मूल्यांकन कराने, मॉनिटरिंग कराने हेतु परिषद् द्वारा एसओपी तैयार कर शासन को उपलब्ध करायी गयी है।

सचिव ने बताया कि कक्षा 9 एवं 11 का प्रसारण स्वयंप्रभा चैनल 22 पर पूर्वान्ह 11 से एक बजे तक तथा अपरान्ह 4.30 से 6.30 बजे तक (रिपीट) होगा। कक्षा 10 एवं 12 का प्रसारण दूरदर्शन उ.प्र पर अपरान्ह 1 से दो बजे तक, 2.30 से तीन, 3.30 से 5 एवं 5.30 से 6.30 बजे तक किया जायेगा। उन्होंने बताया कि वर्चुअल स्कूल एवं ई ज्ञानगंगा के माध्यम से जनपदों में छात्र-छात्राओं के पठन पाठन की साप्ताहिक रिपोर्ट समस्त मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक उ.प्र से प्राप्त करना एवं उसके पर्यवेक्षण आदि का दायित्व भी शिक्षा निदेशक माध्यमिक द्वारा सचिव यूपी बोर्ड को दिया गया है। छात्रों के मूल्यांकन हेतु प्रश्न बैंक तैयार करना, छात्रों का मूल्यांकन करना तथा उनके लिए पाठ्य पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का दायित्व भी शासन द्वारा प्रदान किया गया है। इस दौरान यूपी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय के अपर सचिव शिव प्रकाश द्विवेदी भी उपस्थित रहे।

सम्पत्ति क्षति दावा ट्रिब्यूनल बिल पास होने से हाईकोर्ट के वकील नाराज

प्रयागराज। सम्पत्ति क्षति दावा अधिकरण विधानसभा में पारित होने की सूचना से इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकीलों में मायूसी और नाराजगी है। अधिवक्ता अधिकरण की पीठें लखनऊ और मेरठ के बजाए प्रयागराज में चाहते हैं। इसके लिए विरोध भी शुरू किया गया था, मगर वकीलों का विरोध परवान चढ़ता इससे पूर्व ही विधानसभा से विधेयक पास होने की सूचना से उनमें मायूसी छा गई है।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के महासचिव प्रभाशंकर मिश्र का कहना है कि मौजूदा कोरोना काल को देखते हुए आंदोलन की क्या रणनीति होगी, इस पर विचार करने के लिए सोमवार को बैठक बुलाई गई है। महासचिव ने स्थानीय जन प्रतिनिधियों के प्रति भी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि डिप्टी सीएम से लेकर कद्दावर मंत्री तक प्रयागराज का प्रतिनिधित्व करते हैं, मगर किसी ने भी विधेयक को रोकने की कोशिश नहीं की। उनका कहना है कि यह भविष्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है। जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की जाती है वह जनता की आकांक्षाओं और सम्मान के लिए प्रयास करेंगे मगर दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। उल्लेखनीय है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील लगातार यह दावा करते आ रहे हैं कि किसी भी अधिकरण की स्थापना वहीं हो सकती है, जहां उस राज्य के हाईकोर्ट की प्रधानपीठ स्थित हो। ऐसा न करना असंविधानिक होगा और सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन भी है। गत दिनों शिक्षा सेवा अधिकरण की स्थापना लखनऊ में करने का यहां के वकीलों ने पुरजोर विरोध किया था। परिणाम स्वरूप सरकार को अपना निर्णय बदलना पड़ा था। अब दावा अधिकरण को प्रयागराज लाने के लिए वकील आंदोलन करने की तैयारी कर रहे हैं।

अतिक्रमण हटने की वजह से चौड़ी दिख रही सड़कें

प्रयागराज। प्रयागराज के सड़कों से अतिक्रमण हटाने की वजह से सड़के चौड़ी दिखने लगी हैं विगत दिनों जिलाधिकारी के निर्देश के बाद सड़क की पटरियों पर दुकान लगाने वालों ने खुद से अपनी-अपनी दुकानें हटा ली हैं। चौक, घंटाघर, रोशनबाग, कोठापार्चा, कटरा समेत कई बाजारों में फुटपाथ दुकानदारों ने ऐसा किया है। साथ ही नूरुल्ला रोड और कटरा में कूलर बेचने वालों ने भी सड़क पर रखे जाने वाले सामानों को अब दुकान में ही रख रहे हैं। जिससे सड़क एक फिर अपने पुराने स्वरूप में लौट आई है और लोगों को जाम के झाम से मुक्ति मिल गई है। दो दिन पहले जिलाधिकारी भानुचंद्र गोस्वमी ने व्यापारियों के साथ बैठक की थी। उन्होंने कहा था कि फुटपाथ पर दुकानें लगने से जाम की समस्या खड़ी हो रही है। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सड़क पटरियों पर दुकानें न लगें तो बेहतर रहेगा। इसे लेकर व्यापारियों ने सहमति जताई और इसका असर भी शहर भर में दिखने लगा है। सड़क के किनारे किनारे अतिक्रमण होने की वजह से हर रोज लोग जाम के झाम में फंस जाते थे 'अच्छी खासी लोगों को जाम से निकलने में मशक्कत करनी पड़ती थी। खासतौर से चौक, घंटाघर, कटरा, रोशनबाग, कोठापार्चा समेत अन्य बाजारों में प्रतिदिन जाम की समस्या खड़ी होती थी।

सैदाबाद में पचास लोगों का पुलिस ने काटा चालान

सैदाबाद। लॉकडाउन मे बाइक सवार नियमो की अनदेखी कर रहे है। बिना मास्क लगाये एक ही बाइक पर तीन लोग सवार होकर यात्रा कर रहे है। सैदाबाद पुलिस ने नियमो की अनदेखी करने वाले पचास लोगो का चालान काटा। इस दौराना दस बाइको का भी चालान किया गया। सैदाबाद चौकी इंचार्ज अरूण कुमार मौर्या की अगुवाई मे चौकी पुलिस के सिपाही अमरेश, करन सिहं, जितेन्द्र कुमार सिंह, नरवार, कृपालु आदि ने नियमो की अनदेखी करने वालो पचास लोगो का चालान काटा। दस गाड़ियो का चालान भी किया गया। चौकी इन्चार्ज ने बताया कि महामारी के इस दैार मे लोगो से बार बाद पुलिस अपील कर रही है। लेकिन कुछ लोगो के उपर अपील का असर नही हो रहा है।

लाकडाउन का पालन न करने वाले वाहनों का चालान काटती सैदाबाद पुलिस

मऊआइमा में एक और कोरोना पाजिटिव मिलने से संख्या पहुंची बत्तीस

मऊआइमा। मऊआइमा के ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना का कहर जारी है। शनिवार को एक और पाजिटिव मिलने से कुल पाजिटिवों की संख्या 32 पहुंच गई है। जिससे ग्रामीणों में खौफ व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊआइमा कस्बा क्षेत्र में कोरोना पाजिटिवों की संख्या थम जाने के बाद अब कोरोना ग्रामीण क्षेत्रों में फैलता जा रहा है। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा बताया गया है कि ग्राम सेमरावीरभानपुर निवासी सुरेश कुमार पटेल 26 वर्ष पुत्र विजय कुमार पटेल की जांच में कोरोना पाजिटिव रिपोर्ट आने के बाद उसे शहर के कोरोना हास्पिटल भेज दिया गया है। इसके पूर्व

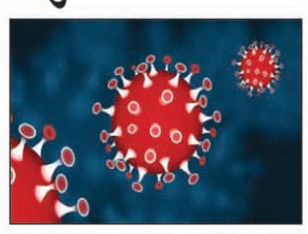

मऊआइमा कस्बा तथा ग्राम हरिसेनगंज, सरपताही नहर ग्राम सरायलालू छपाही बाग लोकापुर, रामनगर गंसियारी सहित कोरोना पाजिटिवों की संख्या 32 पहुंच गई है। कोरोना पाजिटिव क्षेत्रों को सीज कर इलाके को सेनेटाइजर किया जा रहा है । तथा अन्य लोगों की टेस्टिंग भी लगातार जारी है।

शंकरगढ़ की स्वच्छता रैंकिंग सबसे बेहतर

शंकरगढ़। कोरोना महामारी के प्रकोप से डटकर मुकाबला कर रहे नगर पंचायत शंकरगढ़ को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। नगर पंचायत शंकरगढ़ ने जनपद की सभी नगर पंचायतों को पछाड़ते हुए स्वच्छता रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया है। जबकि स्टेट लेवल पर शंकरगढ़ 36वें पायदान पर है।

इस आशय की जानकारी जैसे ही यहां पहुंची, खुशी की लहर दौड़ गई। स्वच्छ भारत मिशन के स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 में प्रयागराज जनपद की नगर पंचायत शंकरगढ़ को पहला स्थान मिला है। नगर की बेहतर रैंकिंग आने पर

सफाई कार्य में लगे सफाईकर्मी

नगर पंचायत के चेयरमैन, अधिशासी अधिकारी, सभासद व समस्त कर्मचारी गदगद हैं। गुरुवार को स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 के परिणाम जारी किए गए, जिसमें नार्थ जोन में नगर पंचायत शंकरगढ़ को 56वां, स्टेट लेवल पर 36वां व जनपद लेवल पर पहला स्थान मिला। जिले के नौ नगर पंचायतें हैं, जिसमें शंकरगढ़ को जिले लेबल पर पहला स्थान मिलने पर नगर पंचायत अध्यक्ष लल्लू कनौजिया, ईओ शेर बहादुर, लिपिक प्रदीप कुमार, सभासदों व कर्मचारी मनीष केसरवानी, अखिलेश द्विवेदी संग समस्त नगर पंचायत कर्मियों ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जाहिर की है। चेयरमैन लल्लू कनौजिया ने इसका श्रेय यहां की आवाम और नगर पंचायत के प्रतिबद्ध कर्मचारियों को दिया है। कहा कि कोरोना के संकट काल के बावजूद जनहित के लिए नगर पंचायत हमेशा आगे है और आगे ही रहेगा।

खाद के नाम पर किसानों को लूटा जा रहा है

जसरा। कोरोना जैसे वायरस महामारी में भी किसानों को नहीं छोड़ रहे हैं। देश के अन्नदाताओं की आर्थिक स्थिति सुधारने में लगी है सरकार लेकिन कुछ ऐसे लोग हैं जो आज भी किसानों की समस्या नहीं सुन रहे हैं। जहां अभी तक कम बारिश होने से किसान दुखी थे तो वहीं अब बारिश होने के बाद किसानों में खुशी की लहर आई है लेकिन किसान एक तरफ नाराज भी हैं। बारिश होने के बाद किसानों को अपनी फसल के लिए खाद की अति आवश्यकता पड़ी तो समय में सरकारी सोसायटियों में खाद ना होने के कारण नहीं मिल पा रहा है। इसी कारण प्राइवेट दुकानों में किसानों को खाद के ओने पौने दाम पर लूट रहे हैं। जहां एक तरफ हमारे देश के प्रधानमंत्री जी किसानों के लिए बड़े-बड़े वादे करते हैं तो वहीं प्रयागराज जिला के कई ऐसे मार्केट हैं जैसे जसरा, शंकरगढ़,जारी,कौंधियारा,नारी बारी,बारा तमाम ऐसे क्षेत्र हैं जहां किसानों से यूरिया के 320-350 तक लिए जा रहे है।

घरों में स्थापित हुए गणेश जी, 10 दिनों तक चलेगा पूजा पाठ

प्रयागराज। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर यानी आज शनिवार को प्रथमपूज्य श्रीगणेश के पूजन का उत्सव आरंभ हो रहा है। ढोल-नगाड़ों की थाप के बीच 'गणपति बप्पा मोरया' के उद्घोष करते हुए भक्त विधि-विधान से गणेश जी की प्रतिमा स्थापित कर रहे हैं। साल भर में पड? वाली चतु?थयों में यह सबसे बड़ी मानी जाती है। गणेश चतुर्थी पर गणपति का पूजन करने से संपन्नता, समृद्धि, सौभाग्य और धन का समावेश होता है।

गणेश उत्सव 10 दिनों तक मनाया जाएगा। इसमें प्रत्येक दिन प्रातः व संध्या आरती का आयोजन होगा। श्री गणेश को विभिन्न प्रकार के घर पर निर्मित प्रसाद का भोग लगाया जाएगा। इसमें

उनका प्रिय भोग मोदक सर्वप्रिय रहेगा साथ ही श्री गणेश को छप्पन भोग का भी भोग लगाया जाएगा। सुबह 11 बजे भगवान श्री गणेश की प्रतिमा की स्थापना की गई पूजन सामग्री में जल जल कलश लाल कपड़ा रोली सुपारी लॉन्ग पंचमेवा नारियल दूब भी कपूर इत्यादि सामग्री का प्रयोग कर पूजन विधि विधान के साथ किया गया। पूजन के उपरांत आरती, मंत्र, भजन आदि से गणपति का स्वागत किया गया। कहा यह जाता है कि आज गणेश चतुर्थी के शुभ मुहूर्त में भगवान श्री गणेश जी के 108 नामों के जप से सभी प्रकार की बाधाएं को दूर किया जा सकता है 31 अगस्त दिन सोमवार को अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान श्री गणेश जी के मूर्ति का विसर्जन किया जाएगा।

प्रयागराज रविवार, 23 अगस्त, 2020

क्रियायोग सन्देश

क्रियायोग रिचार्जिंग प्रविधि है सभी प्रकार की औषधि : स्वामी श्री योगी सत्यम

झूंसी, प्रयागराज। झूंसी स्थित क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान के संस्थापक क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम् ने साधकों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराते हुए 1 से 42 तक क्रियायोग रिचार्जिंग प्रविधि का अभ्यास कराया और इसके महत्व को वैज्ञानिक तरीके से समझाया। गुरुजी स्वामी योगी सत्यम ने स्पष्ट किया कि क्रियायोग में वर्णित रिचार्जिंग प्रविधि सभी प्रकार की बीमारियों को दूर करने की अचूक साधना है। रिचार्जिंग में भूमध्य साधना, तालभ्य साधना एवं ब्रह्मदंड एकाग्रता के साथ शरीर के अंगों में प्राणशक्ति द्वारा गति प्रदान करते हैं। सिर और रीढ़ के अंदर ब्रेन एंड स्पाइन कार्ड में एकाग्रता बढ़ाने पर स्वरूप में सुसप्त ब्रह्मज्ञान जागृत होने लगता है। क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम ने स्पष्ट करते हुए कहा कि क्रियायोग के सच्चे साधक को कोरोना वायरस से डरने की जरूरत नहीं है, रिचार्जिंग क्रिया से कोरोना वायरस के साथ-साथ अन्य प्रकार के वायरसों एवं बैक्टेरियों से होने वाली बीमारियों से स्थायी रूप से मुक्ति मिल जाती है। क्रियायोग गुरु ने साधकों को आहार विज्ञान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए स्पष्ट किया कि आवश्यकता के अनुसार खाने-पीने की मात्रा का निर्धारण स्वयं करें। साधकों को बताया कि मानव जीवन का लक्ष्य सत्य की अनुभूति करना है जब मनुष्य सत्य से जुड़ जाता है, तो उसे अनुभव होता है कि सत्य अनुभूति, आत्मानुभूति एवं परमात्मा अनुभूति, सब एक ही भाव को प्रकट करते हैं। ब्रह्मांड में जितनी भी रचनाएं हैं, जब उनके विषय में सम्यक खोज किया जाता है तो यह सिद्ध होता है, कि सभी रचनाएं अमर हैं। साधकों को यह भी बताया कि क्रियायोग के अभ्यास से मनुष्य एक ही जन्म में जीवन-शक्ति व रोग प्रतिरोध क्षमता की पूर्ण अवस्था को प्राप्त कर अनुभव करता है कि उसके और निराकार परमब्रह्म के बीच दूरी शून्य है।

Kriyayoga Recharging Steps -The Highest Way to Healing

Jhunsi, Prayagraj- At Kriyayoga Ashram and Research Institute, during the daily Kriyayoga class sessions, Founder and President of Kriyayoga Ashram and Research Institute and Kriyayoga Master, Swami Shree Yogi Satyam, taught and explained the importance of 1 to 42 Recharging steps scientifically. Swamiji said that the Recharging steps provide the surest cure to remove all types of illnesses.

During the practice of Recharging, several technical points have to be observed. For example, concentration on the Bhrumadhya point, which is the center point of the forehead between the eyebrows, while looking at the infinite space in front of the forehead. Additionally, one concentrates on one's body structure head to toes while paying special attention on the head and spine region. Consciousness of "Head to Toes" is Vast and Infinite.

By following the prescribed steps, one is able to dive deeper within oneself to be connected with the Infinite source of Knowledge within. In this way, one is able to solve all problems and cure all illness.

Swami Shree Yogi Satyam ji also explained about dietary principles, stating that one has to decide one's quantity of intake based on one's individual requirement.

The practitioners were explained that the aim of life is to experience Truth, which is the same as Self-realization. Self-realization blossoms into God-realization. Then, we realize that all creations of The Cosmos are Immortal in nature.

By the practice of Kriyayoga Meditation, in one lifetime, one is able to attain the highest state of realization that there is no distance between I and God, which was also the teachings of Jesus Christ - " I and God are One" (Aham Brahmaasmi).

साधकों को क्रिया योग रिचार्जिंग विधि के महत्व को वैज्ञानिक तरीके के साथ अभ्यास कराते क्रियायोग गुरू स्वामी योगी सत्यम